



बोर्ड कृतिपत्रिका: जून 2025

हिंदी लोकभारती

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 80

सूचनाएँ:

- सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
- रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

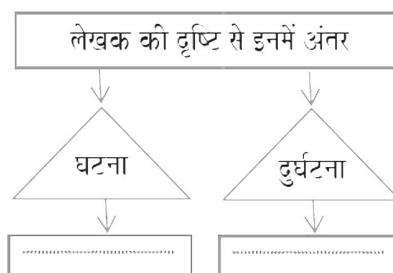
[8]

आँख खुली तो मैंने अपने-आपको एक विस्तर पर पाया । इर्द-गिर्द कुछ परिचित-अपरिचित चेहरे खड़े थे । आँख खुलने ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर ढौङ गई । मैंने कराहते हुए पूछा - “मैं कहाँ हूँ ?”

“आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं । आपका ऐक्सिडेंट हो गया था । सिर्फ पैर का फैक्चर हुआ है । अब घबराने की कोई बात नहीं ।” एक चेहरा इन्हीं तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसीलिए रुका रहा । अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ । मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही-सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की धैली के सहरे एक स्टेंड पर लटक रही थी । मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ । ‘टाँग का टूटना’ यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजनिक अस्पताल का ख्याल आते ही मैं काँप उठा । अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया । अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

- (1) आकृति में लिखिए :

2



- (2) एक या दो शब्दों में उत्तर लिखिए :

2

- लेखक को यहाँ भरती किया गया था –
- यह एक खतरनाक शब्द होता है –
- आँख खुलने पर लेखक ने अपने-आपको यहाँ पाया –
- लेखक के दिमाग में जन्मा नया मुहावरा –



1



(3) लिखिए :

- गद्यांश में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द :
-
 -
 -
 -

(4) 'सार्वजनिक अस्पताल की स्थिति' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँडी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ग्वाल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती है। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्रार्थमिक आवश्यकताएँ हैं, जिनके बिना उसकी गुजर-वसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिमूलीय सब चीजें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानार्विद्य द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अतः संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं। पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल वौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात् बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

(1) गद्यांश में ढूँढ़कर लिखिए :

- संपत्ति के माप-तौल के साधन –
 -
 -
- संपत्ति के मुख्य साधन –
 -
 -

(2) निम्नलिखित विधान सही अथवा गलत पहचानकर लिखिए :

- यंत्र शरीर श्रम से बनते हैं।
- वौद्धिक श्रम से ही उपयोग की चीज बनती है।
- अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्रार्थमिक आवश्यकताएँ नहीं हैं।
- बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता –

(3) (i) बचन परिवर्तन कीजिए :

- यंत्र –
- चीज –

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द लिखिए :

- मृत x
- मानवर्निमित x

(4) 'श्रम ही पूजा है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।





(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

हिंदुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का विरया भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा वहुत महत्वपूर्ण है तो अन्युक्ति न होगी। अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसको कि स्थियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संवंध में विशेष वात यह है कि इसे वहुत उपयोगी माना गया है। सर्दी, खाँसी के साथ विविध वीमारियों में तुलसी का सेवन किया जाता है। अंग्रेजी में इसे 'वेसिल' या 'सेक्रेड वेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का वोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में, जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का वेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'वासिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी। फ्रांस वाले इसीलिए इसे 'ल प्लांटी रोयली' अर्थात् राजसी पौधा कहते हैं।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए:

2

‘अ’	‘आ’
(1) हिंदुस्तान	(अ) वेसिल
(2) अंग्रेजी नाम	(आ) ग्रामीण भाषा
(3) राजसी पौधा	(इ) ओसिमम सैक्टम
(4) वैज्ञानिक नाम	(ई) तुलसीदास
	(उ) ल प्लांटी रोयली

(2) ‘वहुपयोगी तुलसी’ इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

फागुन के दिन चार होरी खेल मनारे।
 विन करताल पखावज बाजे, अणहद की झनकार रे।
 विन सुर राग छतीसूँ गावे, रोम-रोम रणकार रे॥
 सौल संतोष की केसर धोली, प्रेम-प्रीत पिचकार रे।
 उड़त गुलाल लाल भयो अंवर, वरसत रंग अपार रे॥
 घट के पट सब खोल ठिए हैं, लोकलाज सब डार रे।
 ‘मीरा’ के प्रभु गिरिधर नागर, चरण कँवल वर्लिहार रे॥

(1) एक शब्द में उत्तर लिखिए:

2

- (i) फागुन के इतने दिन
 (ii) आकाश इस रंग का हुआ
 (iii) करताल पखावज के विना निर्माण नाद
 (iv) मीरा के प्रभु का नाम

(2) पद्यांश में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:

2

- (i) अंवर
 (ii) कँवल
 (iii) होरी
 (iv) संतोष





(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

वे रोप में आकर बोले – खर्ण दो खर्ण !
 मैंने जोश में आकर कहा – सुखर्ण मैंने अपने काव्य में विख्यात हैं उन्हें कैसे ढे ढूँ।
 वे झुंझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
 हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए।
 मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
 तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
 वे कड़ककर बोले, चाँड़ी कहाँ है ?
 मैं भड़ककर बोला - मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
 ये उद्ध्रांत होकर बोले,
 यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ है ?

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए: 2

छापा मारने वालों द्वारा कवि से माँगी गई चीजें

(2) (i) निम्न शब्दों के भिन्नार्थ लिखिए: 1

नोट (1)
 (2)

(ii) पद्यांश में प्रयुक्त दो तत्सम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: 1

(1)
 (2)

(3) प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

कुछ दिनों पहले एक कंप्यूटर ने मुझे चालीस हजार रुपयों में खरीदा है ! आज-कल उसकी गुलामी में हूँ। उसके नाखरों को सिर झुकाकर झेलने में ही अपना कल्याण देख रहा हूँ। उसका बादा है कि एक दिन वह मुझे लिखने-पढ़ने की पूरी आजादी देगा। फिलहाल उसकी एकनिष्ठ सेवा में ही मेरा उज्ज्वल भविष्य है।





इसके पहले एक मोटर मुझे भारी ढामों में खरीद चुकी है। उसकी सेवा में भी हूँ। दरअसल, चीजों का एक पूरा परिवार है जिसकी सेवा में हूँ। आदमी का स्वभाव नहीं बदलता या बहुत कम बदलता है। गुलामी करना-करवाना उसके स्वभाव में है। सिर्फ तरीके बदले हैं, गुलामी की प्रवृत्ति नहीं। हजारों साल पहले एक आदमी मालिक होता था और उसके दरजनों गुलाम होते थे। अब हर चीज के दरजनों गुलाम होते हैं।

(1) उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए:

2

- (i) सिर्फ तरीके बदले हैं, गुलामी की प्रवृत्ति नहीं।
- (ii) अब हर चीज के दरजनों गुलाम होते हैं।
- (iii) एक कंप्यूटर ने मुझे चालोंस हजार रुपयों में खरीदा है।
- (iv) आदमी का स्वभाव नहीं बदलता।

(2) 'गुलामी एक कलंक' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

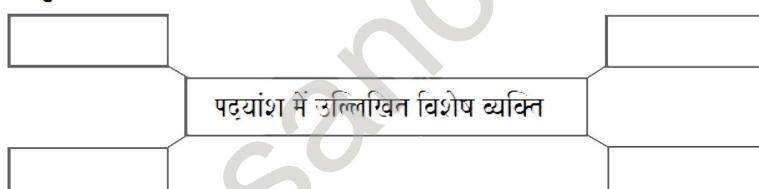
(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ धूव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलावाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पला अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं....

(1) आकृति में लिखिए:

2



(2) भारत के यों सपूत्रों की विशेषताएँ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

2

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[14]

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए:

1

वह तुम्हारी लाडली वेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1

- (i) के लिए
- (ii) जी हाँ

(3) कृति पूर्ण कीजिए:

1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	दुः + साहस

अथवा

सज्जन
-------	-------	-------





- (4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : 1

- (i) टाकुर जी के चरणों में रख दिया।
- (ii) दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
.....
.....

- (5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) माँगना
(ii) पीसना

- (6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

- (i) निशावर करना -
- (ii) बोलवाला होना -

अथवा

अधोरोखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(हाथ फेरना, इज्जत उतारना)

क्या आपने मुझे अपमानित करने के लिए यहाँ बुलाया था ?

- (7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए : 1

- (i) यह मशुआरों की पहली पसंद है।
- (ii) उसके गले में रसी थी।

कारक चिह्न	कारक भेद
.....

- (8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

क्या करूँ मजवूरी है

- (9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : 2

- (i) मैं पढ़ना शुरू करूँगा।
(पूर्ण भूतकाल)
- (ii) काकी ने पिटारी की फिर टटोला।
(सामान्य भविष्यकाल)
- (iii) विप्रमता दूर करने में कानून भी कुछ मदद देता है।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)





- (10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
वह बूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली। 1
- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: 1
- क्या मैंने धन्तों बैठकर उसके काम करने के दृग को नहीं देखा है ?
(विद्यानार्थक वाक्य)
 - तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए।
(आज्ञार्थक वाक्य)
- (11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : 2
- झाड़वर को चाभी माँगा।
 - गाय को दूध देना बंद कर दी।
 - नेत्रहीनों का चमत्कार देखा है।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

5. सूचना:- आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। [26]

(अ) सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:

(1) पत्रलेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

मोहन/मोहिणी 'गुरुकुल छात्रावास', गांधी मार्ग, कोल्हापुर से नांदेड में रहने वाले अपने पिताजी को विद्यालय दृवारा आयोजित सैर में सम्मिलित होने के लिए अनुमति की माँग करते हुए पत्र लिखता /लिखती है।

अथवा

रोहन/रोहिणी वर्मा, गंगा निवास, सावरकर मार्ग, मुंबई से स्वास्थ्य अधिकारी, महानगर निगम, मुंबई को अशुद्ध जलार्पूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित अपटिट गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :

समय की पावंडी का उद्देश्य है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना। जो लोग समय के पावंड होते हैं, उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा या किसी के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती वल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त करती है। समय की पावंडी करने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनावद्ध रीति से करते हैं और अपने काम के समय का पूरा-पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते हैं। ऐसे मनुष्य आमोद-प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे-संवर्द्धियों से मिलने-जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय की पावंडी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते हैं, उनका समय इधर-उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा काम के बोझ की शिकायत करते रहते हैं।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन :

महात्मा गांधी विद्यालय, सानारा में मनाए गए 'शिक्षक दिवस समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)





कहानी लेखन :

निम्नलिखित मुद्रणों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शोर्पक दीर्जिए तथा सौख्य लिखिएः

दो मित्र – सागर में तूफान – नौका का टूटना – दोनों का एक ही तर्जे का सहारा – तर्जे का किसी एक का भार सँभालना – अविवाहित मित्र – तर्जे छोड़ देना – ‘माँ को सँभालो’ – दूसरे का वच जाना – सौख्य।

(2) विज्ञापन लेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिएः



(इ) निवंध लेखन :

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निवंध लिखिएः

- (1) प्रदूषण एक समस्या
- (2) अस्पताल में एक घंटा
- (3) बाढ़ पीड़ित की आत्मकथा।

5

7

